हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 22 .0 डिग्री
न्यूनतम 5 .5 डिग्री

12 बादल छाने के बाद गिरा दिन का पारा, दस दिन बाद बढ़ा रात का तापमान

12 अस्पताल की मांग को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन, स्वास्थ्य मंत्री के नहीं मिलने से रोष

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बावल। कसोला थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत वर्ष 24 नवंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने जमीन पर कब्जा करने की नियत से हमला करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने पुन्सिका निवासी कृष्ण और ठोठवाल निवासी रवि को काबू किया है। एक ट्रैक्टर भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर 15 जनवरी को हुए हादसे के आरोपी ट्रॉला चालक को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में नूंह के कोटा खंडेवला निवासी चालक बलबीर को गिरफ्तार कर लिया। उसका ट्रॉला भी पुलिस ने कब्जे में लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सुसाइड केस का आरोपी जेल भेजा

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस राजीव नगर धक्का बस्ती में नाबालिग सुसाइड केस के आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। कॉलोनी में रहने वाली नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने उसके मां के बयान पर आरोपी सानू के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इसमें दुष्कर्म की धारा भी शामिल है। पुलिस ने आरोपी सानू को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

विपिन सुसाइड केस में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल थाना पुलिस ने गत वर्ष 1 अक्टूबर को दर्ज आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विपिन गोयल के सुसाइड करने के मामले में मॉडल टाउन निवासी प्रेम नारायण और उसकी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया था। दोनों ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें प्रेम की पत्नी को जमानत मिल गई थी। मुख्य आरोपी प्रेम नायारण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वर्ष 2024 में मिली शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के बाद पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। जांच के बाद गुरूग्राम के पडला निवासी आनंद को पुलिस को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया।

हाइवे के डिवाइडर पर चढ़ी गाड़ी

रेवाड़ी। रविवार सुबह जैसलमेर नेशनल हाइवे पर खोरी के पास एक पिकअप गाड़ी डिवाडर पर चढ़ गई। तुरंत कंट्रोल कर लिए जाने के कारण हादसा टल गया। नारनौल के नूनी निवासी सूबेसिंह पिकअप गाड़ी लेकर रेवाड़ी से नारनौल की ओर जा रहा था। जब गाड़ी खोरी फ्लाईओवर से नीचे उतरी, तो संतुलन बिगड़ने के कारण डिवाइडर पर चढ़ गई। इस हादसे में किसी को चोटें नहीं आईं। गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई।

कमर्शियल उपयोग के साथ निजी लाभ के लिए हो रहा प्रयोग

प्रशासन की अनदेखी से ग्रीन बेल्ट पर बढ़ रहे कब्जे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर में ग्रीन बेल्ट के निजी प्रयोग का प्रचलन काफी बढ़ रहा है। कोई तारबंदी से पार्क बनाकर तो कोई निजी लाभ के लिए ग्रीन बेल्ट का प्रयोग कर रहा है। इससे करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन सार्वजनिक न रहकर निजी अधिकार में होती जा रही है। प्रशासन की ढील के व ग्रीन बेल्ट को अच्छे से मेनटेन न रखने के कारण इस पर लोगों के अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे है। सचिवालय के पास ही अधिकारियों की आंखों के सामने बावल रोड की ग्रीन बेल्ट पर पूरी तरह कब्जा हो चुका है। अतिक्रमणकारियों ने ग्रीन बेल्ट से सड़क तक सामान रखकर दुकानें लगा ली है। यहां तक कि कुछ लोगों ने तो ग्रीन बेल्ट पर ही अस्थाई तौर पर कोठड़ी बनाकर अपनी रिहाइश भी वहीं कर ली है।

व्यवसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे

शहर में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण व नगर परिषद की जमीन पर बेरोकटोक व्यवसायिक गतिविधियां चल रही हैं। किसी ने बेचने के लिए ईंट-रोड़ी, क्रेसर डाला हुआ है तो किसी ने दुकान खोली हुई है। ग्रीन बेल्ट पूरी तरह अतिक्रमण की चपेट में है। कई लोगों ने ग्रीन बेल्ट को निजी बना लिया है। किसी ने तार लगाकर पार्क के तौर पर उसे अपने लिए रिजर्व बना लिया है तो किसी ने अपना निजी रास्ता ग्रीन बेल्ट से बना लिया है तथा कई लोग ग्रीन बेल्ट पर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। बावल रोड स्थित आईओसी चौक से राजेश पायलट चौक के बीच ग्रीन बेल्ट पर ज्यादा कब्जे है। सेक्टर-3 हाउसिंग बोर्ड के पास ग्रीन बेल्ट पर लोगों ने जालियां लगाकर निजी कार पार्किंग तक बना ली है।

आईओसी चौक से राजेश पायलट चौक के बीच ग्रीन बेल्ट पर ज्यादा कब्जे हैं। सेक्टर-3 हाउसिंग बोर्ड के पास ग्रीन बेल्ट पर लोगों ने जालियां लगाकर निजी कार पार्किंग तक बना ली।

रेवाड़ी। ग्रीन बेल्ट पर रखा सामान व बनाई गई कोठड़िया। फोटो : हरिभूमि

प्रशासन की ओर से अनदेखा किया जा रहा

सचिवालय के पास बावल रोड पर राजीव चौक से आईओसी चौक, आईओसी चौक से पायलट चौक व पायलट चौक से दिल्ली रोड स्थित अभय सिंह चौक तक ग्रीन बेल्ट पर जगह-जगह लोगों ने कब्जा कर लिया है। यहां तक कि सेक्टरों के अंदर में ग्रीन बेल्ट पर लोगों का कब्जा है। शहर के बीच में नेहरू पार्क के पास, ब्रास मार्केट, मॉडल टाउन सहित कई स्थानों पर लोग ग्रीन बेल्ट पर निजी व्यवस्था चला रहे है। प्रशासन की ओर से इस पर कार्रवाई करने की बजाए देखकर भी अनदेखा किया जा रहा है।

बावल रोड पर पूरा कब्जा

बावल रोड पर राजीव चौक से आईओसी चौक तक सेक्टर-3 से लगती ग्रीन बेल्ट पूरी तरह अतिक्रमण से लिप्त है। जबकि पास में ही सचिवालय व एचएसवीपी कार्यालय स्थित है। लोगों ने पौधों की प्राइवेट नर्सरियां बनाकर ग्रीन बेल्ट को पूरी तरह रोक लिया है। कुछ लोगों में मिट्टी के बर्तन, गमले व अन्य सामान रखकर ग्रीन बेल्ट पर दुकानें बना ली है। इन लोगों ने तो अस्थाई तौर पर टीन, तिरपाल वगैरह लगाकर अपना निवास भी बना लिया है। आईओसी चौक के पास ग्रीन बेल्ट पर ढाबा तक चलाया जा रहा है, वही शहीद स्मारक के पास ग्रीन बेल्ट पर फास्ट फूड का बाजार बन चुका है। ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण को हटाने के नाम पर विभाग बिल्कुल सुस्त पड़ा हुआ है।

मोहन हत्याकांड में एक और आरोपी चढ़ा सीआईए के हत्थे

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। गत वर्ष 23 दिसंबर को बहाला में हुई खाद-बीज विक्रेता मोहन की गोली मारकर हत्या करने के मामले में सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जिसमें एक को एनकाउंटर में गोली लगी थी। आरोपी को कोर्ट से 3 दिन के रिमांड पर लिया गया है। मोहन की हत्या के बाद कोसली थाना पुलिस ने उसके बेटे दुष्यंत के बयान पर हत्या व आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। दुष्यंत ने बयान में बताया था कि उसके पिता ने गांव में मोहन ट्रेडर्स के नाम से एक खाद-बीज की दुकान की हुई है। गत वर्ष 23 दिसंबर को शाम के समय उसका पिता दुकान के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान एक इंडेवर गाड़ी उनके दुकान के नजदीक चौराहे पर आकर रुकी। गाड़ी से उतरे दो युवक दवाई खरीदने की बात कहते हुए उनकी दुकान में घुस गए। दुकान में घुसते ही एक युवक ने उसके पिता के सिर में गोली मार दी। उसके पिता जमीन पर गिर गए तो दूसरे युवक ने भी उसके पिता पर गोली दाग दीं। दुष्यंत ने अपने पिता की हत्या के पीछे हिसार निवासी जयप्रकाश उर्फ जयवीर पर शक जाहिर किया था। पुलिस ने केस जयवीर को गिरफ्तार कर लिया था। जयवीर ने पूछताछ में बताया था कि वह जेबीएस एग्रो कंपनी का एमडी है। मोहन उनकी कंपनी का डिस्ट्रीब्यूटर था। कुछ समय पहले मोहन ने उनकी कंपनी से विवाद के चलते कंपनी की डिस्ट्रीब्यूटरशिप छोड़ दी थी। मोहन अपने नीचे जुड़े लोगों की सेलरी के लिए भी उनकी कंपनी पर बार बार दबाब बना रहा था। इससे उसकी कंपनी को काफी नुकसान हो रहा था। इस विवाद के चलते उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर मोहन की हत्या करवाई थी। इस मामले में पुलिस ने गत 12 जनवरी की रात को एक और आरोपी जिला सोनीपत के गांव पिनाना निवासी जयभगवान उर्फ सोनू महाल को गांव खरखडा से बटसाना के कच्चे रस्ते पर मुठभेड़ के दौरान काबू किया था। इस मामले में सीआईए धारूहेड़ा ने एक और आरोपी जिला सोनीपत के गांव भटगांव निवासी प्रदीप उर्फ सुंडा को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

- पुलिस दो आरोपियों को पहले ही काबू कर चुकी है, जिसमें एक को एनकाउंटर में गोली लगी थी

राजस्थान सीमा पर एकत्रित है भारी मात्रा में दूषित पानी

बाबा मोहनराम मेले से पहले जलभराव खत्म कराने की मांग

रामप्रसाद सैनी ▶▶| धारूहेड़ा

राजस्थान के बाबा मोहनराम काली खोली धाम पर हर साल होली पर्व पर लगने वाले लक्खी मेले में प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इनमें पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी अधिक है। राजस्थान सीमा पर दूषित पानी भरा हुआ है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोगों ने प्रशासन से मेला शुरू होने से पहले दूषित पानी की निकासी कराने की मांग की है। काली खोली धाम पर हर वर्ष होली पर्व पर मेला लगता है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इस बार यह मेला 4 मार्च को लगेगा। प्रदेश के कई जिलों से धारूहेड़ा के रास्ते श्रद्धालु इस मेले में भाग लेने के लिए जाएंगे। सैकड़ों श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने निशान लेकर पैदल निकलते हैं। काली खोली धाम जाने के लिए सोहना रोड छोटा रास्ता पड़ता है। राजस्थान की ओर से आने वाला दूषित पानी धारूहेड़ा में बने रैंप के कारण राजस्थान की सीमा में एकत्रित हो रहा है। पानी निकासी का कोई रास्ता नहीं है, इसलिए श्रद्धालुओं के लिए दूषित पानी से निकलना मुश्किल बन जाएगा। मेले में लगभग दो सप्ताह का समय ही बचा है, अभी से निकासी नहीं कराई गई तो श्रद्धालुओं को मुसीबत झेलनी पड़ेगी।

रेवाड़ी। राजस्थान सीमा पर धारूहेड़ा के पास एकत्रित दूषित पानी।

कई राज्यों से आते हैं मेले में श्रद्धालु

प्रदेश के साथ-साथ इस मेले में दिल्ली, यूपी व कई अन्य राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। धारूहेड़ा से काली खोली धाम जाने के लिए सोहना रोड का रास्ता छोटा पड़ता है। अगर दूषित पानी की निकासी नहीं हुई, तो पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को कापड़ीवास से बाईपास रोड होते हुआ जाना पड़ेगा। इससे उन्हें अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी। कस्बे के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्थान सीमा पर एकत्रित दूषित पानी की निकासी मेले से पहले कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

नहीं थम रहा पानी आने का सिलसिला

राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के लोगों ने बीते दिसंबर माह में सोहना रोड पर बने रैंप को तोड़ दिया था। इससे राजस्थान की ओर एकत्रित दूषित पानी धारूहेड़ा की ओर आना शुरू हो गया था। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी के साथ राव इंद्रजीत, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान के सीएम भजनलाल की बैठक के बाद प्रशासन ने धारूहेड़ा में दोबारा से रैंप का निर्माण करा दिया था। इसके बाद भिवाड़ी से आने वाला दूषित पानी राजस्थान की सीमा में ही एकत्रित हो रहा है।

पंजाबी भवन में श्री सुखमनी साहिब पाठ का हुआ आयोजन

रेवाड़ी। पंजाबी समाज के तत्वावधान में पंजाबी भवन परिसर में श्री सुखमनी पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अलवर से संत डा. हरभजन सिंह शाह पहली बार रेवाड़ी पहुंचे। गुरुग्राम से जितेन्द्र मदान ने भजन-कीर्तन किया। पंजाबी समाज के अध्यक्ष एडवोकेट सचिन मलिक ने कहा कि पंजाबी भवन में यह कार्यक्रम तीसरी बार आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों से 2500 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्री सुखमनी साहिब पाठ की सेवा कन्हैया सेवा दल ने की, जबकि गुरु के लंगर की व्यवस्था मुरली मनोहर मंडल बंजारवाड़ा और साई सेवा समिति रावली हाट के सहयोग से की गई।

खरखड़ा के परिधि रोड पर अंधेरा, आठ वर्ष में भी नहीं लगी स्ट्रीट लाइटें

रेवाड़ी। खरखड़ा के मार्ग पर पड़ी शराब की बोतले।

धारूहेड़ा। गांव खरखड़ा की राजस्व सीमा में दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी 60 मीटर परिधि रोड पर पिछले कई वर्षों से स्ट्रीट लाइटें नहीं होने के कारण सुरक्षा जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। गंभीर समस्या को लेकर गांव खरखड़ा के सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। प्रकाश ने बताया कि यह परिधि रोड हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से लगभग 8 वर्ष पहले बनाई गई थी, लेकिन आज तक इस पर न तो स्ट्रीट लाइटें और न ही सोलर लाइटें लगाई गई है। यह मार्ग साउथ रेंज आईजी कार्यालय व आवास, राजकीय आईटीआई खरखड़ा तथा आसपास के कई सेक्टरों व सरकारी संस्थानों को जोड़ता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं और आम नागरिक इस सड़क से गुजरते हैं, लेकिन रात होते ही पूरा इलाका घने अंधेरे में डूब जाता है।

लोग असुरक्षित महसूस कर रहे

अंधेरे के कारण यहां सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है और लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। खासकर महिलाएं और छात्राएं रात के समय इस रास्ते से गुजरने में डरती हैं। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व खुलेआम शराब का सेवन करते हैं। सड़क किनारे शराब की खाली बोतलें, गिलास और खाद्य सामग्री बिखरी पड़ी रहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से 60 मीटर परिधि रोड पर तुरंत स्ट्रीट लाइटें व सोलर लाइट लगवाने, असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने व पुलिस द्वारा नियमित गश्त सुनिश्चित कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

शिक्षा की डोर नव उत्थान की ओर.....
ViJAY INTERNATIONAL SCHOOL
SH-24, SATNALI ROAD, BALANA, MAHENDERGARH (HR)
Affiliated to CBSE New Delhi, Affiliation No. 532167
यतो धर्मस्ततो जयः
We are Hiring
Join Our Team
ADMIN | Academic Heads
PGT | English, Physics, Chemistry, Maths, Biology, Hindi, Music, History, Geography, Physical Education, Economics & Accountancy
TGT | English, Science (Phy., Chem. & Bio.) Social Science (Eng. Medium) Hindi, Computer Teacher, Art & Craft, Social Science (Hindi. Medium)
PRT | Hindi, English, EVS, Maths, Art & Craft, Dance Teacher, Activity Teacher, Computer Teacher
SUPPORTING STAFF | Receptionist (Female) Electrician, Typist (Hindi & English), Drivers, Conductors, Coaches All Games
Walk in Interview
19th January to 25th January 2026
Time - 9:00 am to 2:00 pm
at School Campus
Salary No Bar for Deserving Candidates
Get an Appointment through call/whatsapp -
9053008082
ADMISSION Open Nursery to 12th
9053008081, 9053008082
vijayinternationalschools@gmail.com
vijayinternationalschool.com
CHAIRMAN
VIJAY YADAV (TUMNA)
9053008080

समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।

- मुंशी प्रेमचंद

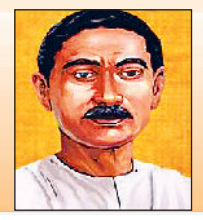

मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।

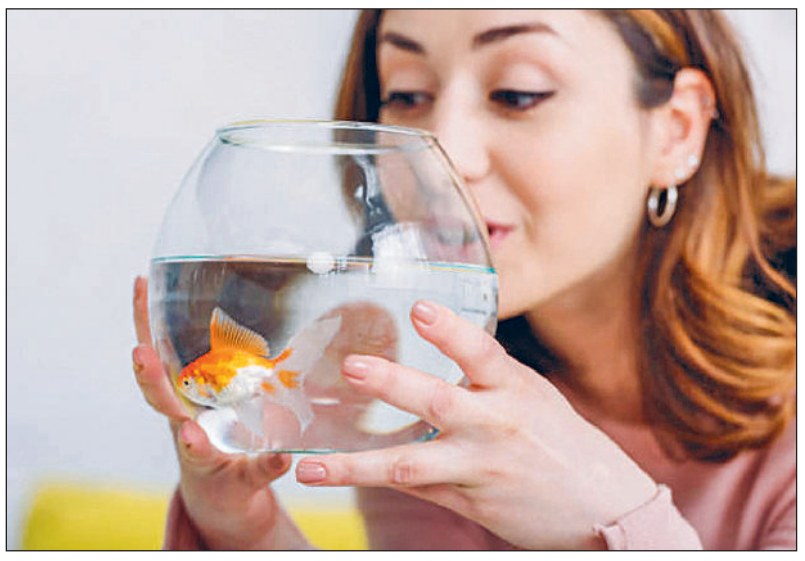

अकेलेपन का दंश

कहानी

सुदर्शन रत्नाकर

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।

कविता चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे जमीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह जरूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता लता

पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा राजश्री गौड़

हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।

मंथन कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

महाकवि सूरदास : फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

संत गरीबदास : इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

महाकवि संतोख सिंह : इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

बाबू बालमुकुंद गुप्त : रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

पंडित माधव प्रसाद मिश्र : इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' : भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

पंडित लखमीचंद : पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

बाजे भगत : बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

राजाराम शास्त्री : हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

पुस्तक : मुनासिब
लेखक : चरणजीत चरण
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली
अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था
जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:*कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगे*तुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे*यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

खबर संक्षेप

कथा के तीसरे दिन हुआ सुखदेव की कथा का वर्णन

महेंद्रगढ़। शहर के डुलाना रोड पर स्थित श्री गोपाल गोशाला बुचियावाली में मातृभूमि सेवा संघ की ओर से 16 जनवरी से चल रही श्री सुरभि सवा करोड़ महायज्ञ एवं गो भागवत कथा के तीसरे दिन की कथा में भगवताचार्या विदुषी बेला पारीक राष्ट्रीय अध्यक्षा ने सुखदेव की कथा सुनाई। इसके अतिरिक्त उन्होंने सृष्टि की रचना, भगवान के चौबीसों, अवतार, भक्ति ज्ञान वैराग्य, ध्रुवचरित्र का वर्णन भी किया। उन्होंने बताया कि इस कथा का लाइव प्रसारण भारत सहित 126 देश में किया जा रहा है।

जीवन रक्षा पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य राजबीर सिंह के मार्गदर्शन व महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. हवासिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उपप्राचार्य डॉ. हवासिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालयए भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य छात्र छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के प्रति जागरूक करना है।

सभाओं में मतदाताओं की हाजिरी की बाध्यता गलत

नारनौल। एसयूसीआई के राज्य सचिव कामरेड राजेंद्र सिंह ने राज्य की ग्राम सभाओं में 40 फीसदी मतदाताओं की हाजिरी की बाध्यता की आलोचना करते हुए कहा कि यह निर्णय एक और तुगलकी फरमान है और इसे जमीनी हकीकत से कोसों दूर बताया है। उन्होने कहा कि इस तरह के निर्णयों से राज्य सरकार की मंशा साफ झलकती है कि विकास कार्यों के मामले में वह पंचायतों को शासक पार्टी की दबेल बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि 40 फीसदी की हाजिरी किसी भी तरह मुमकिन नहीं है, क्योंकि गांव देहात की बड़ी आबादी अपनी रोजी रोटी के लिए तथा छात्र अपनी पढ़ाई के लिए गांव से बाहर रहते है। ऐसे में कामकाज छोड़कर ग्राम सभा में आना कैसे सम्भव है।

श्यामपुरा में बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर सतनाली इकाई द्वारा युवा दिवस के उपलक्ष्य में गांव श्यामपुरा स्थित गायत्री शक्तिपीठ में बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस खेल गतिविधि में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक कमल रोहिल्ला का प्रवास रहा। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार, नगर मंत्री सचिन कुमार एवं नगर सोशल मीडिया संयोजक ललित कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा टॉस करवाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

स्याना गांव में किसान चौपाल का आयोजन

विकसित भारत जी राम जी योजना से किसानों को मिलेगा रोजगार: सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव स्याना में किसानों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक किसान चौपाल का आयोजन किया गया। यह चौपाल विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन जी राम जी को लेकर आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, किसानों व पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने की। चौपाल में किसानों को जी राम जी योजना के उद्देश्यों, लाभों और इसके माध्यम से होने वाले गांव के समग्र विकास की जानकारी विस्तार से दी गई।

इस अवसर पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जी राम जी योजना ग्रामीण भारत की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के अंतर्गत 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। जिससे ग्रामीण परिवारों को स्थायी आय का साधन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बनाए गए नए कानून पारदर्शिता पर आधारित हैं। जिससे भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। हर पात्र व्यक्ति को उसके श्रम का पूरा मेहनताना मिलेगा और लोगों को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। डॉ. यतेंद्र राव ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार की नीतियां गांव, गरीब, किसान और मजदूर को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं। जी राम जी योजना से न केवल रोजगार सृजन होगा, बल्कि गांवों का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सरकार की दूरगामी और पारदर्शी सोच का परिचायक है, जो सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

नारनौल। कार्यक्रम में ग्रामीणों को जानकारी देते सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

सरकार कर रही है बिना भेदभाव विकास कार्य

वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर विश्वास रखते हुए देश और प्रदेश को विकसित भारत की ओर ले जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में सरकार बिना भेदभाव के हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के कुशल नेतृत्व में जी राम जी योजना को संगठन के माध्यम से जन जन तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में गांव के सरपंच वीरपाल, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र, ग्रामवासी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित किसानों ने योजना के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सरकार के प्रयासों की सराहना की।

नारनौल। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते रोटरी क्लब रॉयल्स सदस्य।

रोटरी क्लब रॉयल्स ने किए कंबल वितरित

नारनौल। रोटरी क्लब रॉयल्स की ओर से शीतलहर को देखते हुए रविवार को नई सब्जी मंडी के सामने झुग्गी झोपड़ियों व सड़क किनारे निवास करने वाले जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। क्लब के प्रधान रोटेरियन दिनेश भार्गव ने बताया कि शीत ऋतु के दौरान जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से क्लब की ओर से मिशन सुकून की नींद अभियान की शुरूआत की गई थी। इस अभियान के अंतर्गत दिसंबर व जनवरी माह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे, झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले तथा बेघर लोगों को कंबल वितरित किए गए। यह अभियान रविवार को सम्पन्न हुआ। उन्होंने मिशन में सहयोग देने वाले सभी रोटेरियन साथियों का आभार व्यक्त किया। क्लब के सचिव रोटेरियन सत्यनारायण सैनी ने बताया कि क्लब सदस्यों की ओर से रात्रि के समय भी शहर में सक्रिय रहकर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व प्रमुख चौराहों पर बेघर व जरूरतमंद राहगीरों को कंबल वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 21 जनवरी को क्लब की ओर से महावीर चौक पर हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं स्वच्छ नारनौल, स्वस्थ नारनौल अभियान के तहत 25 जनवरी को नगर के छोटा बड़ा तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर क्लब फाउंडेशन चेयर शीतल भार्गव, प्रियंका सैनी, महेश सैनी, अमित कुमार आदि मौजूद थे।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

दा वेदांता स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

नारनौल। दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल की ओर से स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में महेंद्रगढ़, नारनौल, अटेली व आसपास के गांवों से कुल 1386 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा में भाग लेने आए बच्चों में विद्यालय के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर व उपलब्ध सुविधाओं को देखकर विशेष उत्साह देखने को मिला। परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ विद्यालय पहुंचे। उन्होंने स्कूल की ओर से दी जा रही शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाओं तथा बच्चों के भविष्य से संबंधित योजनाओं की सराहना की। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार यादव ने बताया कि दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल हर ऐसे होनहार बच्चे को स्कॉलरशिप प्रदान करेगा, जो शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यालय के प्राचार्य अनिल मुखिजा ने बताया कि स्कूल खेलकूद, कला और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यार्थियों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा तथा उन्हें निरंतर प्रोत्साहित करेगा, ताकि कोई भी बच्चा धन के अभाव में अच्छी शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में विद्यालय अभिभावकों की सभी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेगा और बच्चों को एक अच्छा नागरिक बनाने की दिशा में कार्य करता रहेगा।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एमआर स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

नारनौल। एमआर ग्रुप ऑफ स्कूल के मित्रपुरा व अटेली कैंपस में स्कॉलरशिप की परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह परीक्षा कक्षा प्रथम से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। जिसमें संबंधित कक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रश्नों के उत्तर दिए। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों को आगे लाना है। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में विद्यार्थियों की अपार भीड़ देखने को मिली। अभिभावक विद्यालय में अपने बच्चों को साथ लेकर पहुंचे तथा निर्धारित समय के बाद भी विद्यार्थी कैंपस में प्रवेश करते रहे। जिसके चलते देरी से आने वाले विद्यार्थियों को बैठाने के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ी। विद्यार्थियों व अभिभावकों की रूचि को देखते हुए विद्यालय के अध्यक्ष सियाराम यादव ने बताया कि एमआर ग्रुप क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार व प्रसार में किसी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

ग्राम सभा की बैठक में पर्याप्त उपस्थिति नहीं, स्थगित

खोरी। ग्राम सभा की पहली बैठक में 40 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य किए जाने के बाद बैठकों के स्थगित होने का सिलसिला भी बढ़ गया है। रविवार को गुमीना में प्रस्तावित ग्राम सभा की बैठक निर्धारित उपस्थिति के अभाव में स्थगित करनी पड़ी। ग्रामीणों ने पंचायत पर अनियमितताएं बरतने से लेकर बैठकों के लिए मुनादी तक नहीं कराने के आरोप लगाए हैं। अब 25 जनवरी को दोबारा ग्राम सभा की बैठक बुलाई गई है। ग्रामीणों ने सरपंच और ग्राम सचिव पर मिलीभगत से विकासकार्यों में अनियमितताओं के आरोप भी लगाए हैं।

गांव की हरिजन चौपाल में ग्राम सभा की बैठक प्रस्तावित थी। सरकार के नए आदेशानुसार बैठक में 40 प्रतिशत ग्रामीण उपस्थित नहीं हो सके, जिस कारण बैठक स्थगित कर दी गई। अब 25 जनवरी को दूसरी बार बैठक बुलाई गई है। बैठक स्थगित होने का ठीकरा ग्रामीणों ने सरपंच और ग्राम सचिव पर फोड़ दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम सचिव बैठक में पर्याप्त उपस्थिति से बचने के लिए समय पर सर्वजनिक सूचना देने से बचते हैं। इसके चलते ग्राम सभा की बैठकें नियमित रूप से नहीं हो पा रही हैं।

कंपनी कर्मचारी से मोबाइल व नगदी छीने तीन नाबालिग सहित चार को किया गिरफ्तार

- नाबालिगो को बाल सुधार गृह व एक अन्य आरोपी को जेल भेज दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना कसोला पुलिस ने एक कंपनी कर्मचारी से मोबाइल फोन व नकदी छीनने के मामले में तीन नाबालिग सहित चार को काबू किया है। नाबालिगो को बाल सुधार गृह व एक अन्य आरोपी को जेल भेज दिया गया। राजस्थान के उच्चैन निवासी मोहन सिंह ने कसोला पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि वह आईएमटी की एक कंपनी में ठेकेदारी पर कार्य करता है। वह जलियावास गांव में किराए के मकान में रह रहा है। 16 जनवरी की रात वह कंपनी में ड्यूटी करने के बाद अपने कमरे की ओर जा रहा था। असाही फ्लाईओवर के पास एक स्विफ्ट कार उसके आगे आकर रुक गई। कार में चार लोग सवार थे, जो उसके हाथ से मोबाइल फोन व जेब से 500 रुपये निकालकर भाग गए।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी धीरज।

पुलिस स्विफ्ट कार को कब्जे में ले लिया

पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने रसियावास निवासी धीरज को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीन नाबालिगों को अभिरक्षा में ले लिया। उनके कब्जे से 500 रुपये व मोबाइल फोन बरामद कर लिए। पुलिस स्विफ्ट कार को भी कब्जे में ले लिया। तीन नाबालिगो को जेजे बोर्ड के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह फरीदाबाद भेज दिया, जबकि एक आरोपी को न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

नशीला पदार्थ गांजा बेचने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने अवैध नशीला पदार्थ गांजा बेचने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव जीवड़ा निवासी पंकज उर्फ जानी व गांव पाल्हावास निवासी सचिन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 17.85 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। गत 17 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली कि पंकज उर्फ जानी व सचिन नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करते है तथा गांजा बेचने के लिए बाइक पर गांव पाल्हावास नहर के पास खड़े हुए है। सूचना पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गांजा सहित काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

विधायक ने दखोरा में विकास कार्यों का किया उद्घाटन

कोसली। कोसली के विधायक अनिल यादव ने गांव दखोरा में 2 करोड़ 50 हजार रुपये की लागत के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक अनिल यादव ने कहा कि कोसली हलके का विकास कराने की ताकत उन्हें जनता ने दी है। इस काम में दिन-रात वे ईमानदारी से जुटे हुए हैं। विधायक ने कहा कि कोसली में उन कार्यों को आगे बढ़ाया गया है, जो कि सालों से अधूरे पड़े हुए थे। विधायक ने गांव दखोरा से लिसान लिंक मार्ग, आम रास्ते, सामुदायिक भवन में हुए निर्माण कार्य, जोहड़ की चारदीवारी व ओपन जिम का शुभारंभ किया। 55 लाख रुपये की लागत से गांव में सब हेल्थ सेंटर का कार्य जल्दी शुरू हो जाएगा। इसका टेंडर अलाट कर दिया गया है। विधायक ने गांव दखोरा के बाबा हरिहर मंदिर में आयोजित वार्षिक महोत्सव की खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करके खिलाड़ियों का उत्साहवर्धनउ भी किया। इस अवसर पर डहीना पंचायत समिति के चेयरमैन कर्णपाल, दड़ौली के सरपंच अनूप सिंह, खेड़ी के सरपंच अभय सिंह, दखोरा के सरपंच हिम्मत सिंह, लिसान के सरपंच जयसिंह, भाजपा मंडल सचिव लक्ष्मी व किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष डा. अनिल मौजूद थे।

वीएलई का पीसीसी व सीएससी बैनर होना अनिवार्य, अन्यथा सीएससी आईडी होगी बंद

- सीएससी वीएलई के लिए हुआ वर्कशॉप का आयोजन, रेवाड़ी में 160 सीएससी आईडी अस्थाई रूप से की बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को सभी सीएससी सेंटर वीएलई के लिए लघु सचिवालय सभागार में वर्कशाप आयोजित की गई, जिसमें सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के विषयों पर चर्चा की गई। स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर अनमोल चंद व आरीफ ने सभी वीएलई को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कार्य करे। उन्होंने बताया कि सरकार कि हिदायत अनुसार सभी मानकों को पूरा करे। उन्होंने बताया कि सभी सीएससी सेंटर वीएलई का पुलिस करेक्टर सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। यदि किसी वीएलई का पीसीसी नहीं होगा तो उस सेंटर की आईडी को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान के तहत संचालित किए गए हैं। सीएससी के माध्यम से सरकारी और निजी क्षेत्र की कई सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती हैं। इसमें सीएससी का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को एक ही छत के नीचे विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराना है। इनमें प्रमुख रूप से जैसे सरकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाएं, प्रमाण पत्र व दस्तावेजों के लिए आवेदन, डिजिटल भुगतान व ऑनलाइन आवेदन, बैंकिंग और बीमा सेवाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं।

रेवाड़ी। सीएससी सेंटर वीएलई को जानकारी देते हुए स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर।

रेवाड़ी में 160 सीएससी आईडी अस्थाई रूप से की बंद

सीएससी जिला प्रबंधक जगदीप यादव ने बताया कि कॉमन सर्विस सेंटर के निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों का पालन न करने वाले सीएससी केंद्रों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया जिले में अब तक 160 सीएससी आईडी को अस्थाई रूप से बंद किया गया है। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों कॉमन ब्रांडिंग, रेट चार्ट, पुलिस वैरिफिकेशन, अधिकृत बैनर व आवश्यक दस्तावेजों की न होने के कारण सीएससी की ओर से तय नियमों का उल्लंघन किया गया है।

अहीरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से 21 फरवरी को होगा आयोजन

संगीतमय शाम 'विरासत-ए-रेवाड़ी' में ऐतिहासिक धरोहरों के बीच गूंजेंगे संगीत के स्वर

- कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर ऐतिहासिक छत्तरी समूह पर हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अहीरवाल की समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक गौरव को संजोने के उद्देश्य से अहीरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से आगामी 21 फरवरी को भव्य संगीतमय शाम 'विरासत-ए-रेवाड़ी' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को ऐतिहासिक छतरी समूह, राव पूरन सिंह बाग पर संस्था के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर संस्था की प्रधान प्रियंका यादव ने बताया कि यह शहर में अपनी तरह का पहला अनूठा कार्यक्रम होगा, जिसमें शहर के प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा ताकि वे रेवाड़ी की ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से जान सकें। उन्होंने बताया कि 24 फरवरी को राव बालकिशन का शहीदी दिवस है, जिसे समर्पित करते हुए 21 फरवरी के कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। 300 साल पुरानी राव पूरन सिंह की छतरियों के प्रांगण में होने वाले कार्यक्रम में पुलकित शर्मा और उनका बैंड सरसवाइब सूफी, गजल और भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां देंगे। यह स्थल हरियाणा सरकार की ओर से संरक्षित है और होली चाइल्ड स्कूल द्वारा इसकी देखभाल की जा रही है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम को लेकर चर्चा करते संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

प्रवेश पूरी तरह से रहेगा निःशुल्क

प्रियंका यादव ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी शहरवासी आमंत्रित हैं और प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा। व्यवस्था बनाए रखने के लिए दर्शकों को पहले वेबसाइट के माध्यम से बुकिंग करनी होगी। बुकिंग के लिए इच्छुक व्यक्ति अहीरवाल हेरिटेज के फेसबुक या इंस्टाग्राम पेज पर संपर्क कर सकते हैं, जहा उन्हें बुकिंग लिंक और अन्य जानकारी प्राप्त होगी। बैठक में समाजसेवी राकेश भार्गव, मुकेश सुल्तानिया, इंजीनियर सचिन, आरके टूरिज्म से राकेश कुमार, सहायक रिसर्च ऑफिसर मंगेश कुमार, अध्यापक दिनेश कुमार, मशहूर चित्रकार अमन कुमार और सहायक प्रोफेसर सुशांत यादव उपस्थित थे।

ट्रॉला बुक कराने के नाम पर एक लाख की ठगी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने गत वर्ष मई माह में सामान भेजने के लिए ट्रॉला बुक कराने के नाम पर 1 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। एसपी को दर्ज शिकायत में गढ़ी बोलनी रोड स्थित एक सोसायटी निवासी संजय यादव ने बताया था कि उसे माल भेजने के लिए एक ट्रॉला बुक कराना था। इसके लिए उसने महाराष्ट्र के भिवंडी की दिशा लॉजिस्टिक फर्म के मालिक अनिल शर्मा से संपर्क किया था। उसने आरोप लगाया था कि अनिल शर्मा ने उससे दो बार में 1 लाख रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर करा लिए। बाद में उसे पता चला कि उसके साथ ठगी की गई है। एसपी ने उसकी शिकायत पर मॉडल टाउन थाना पुलिस को केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने 30 जून 2025 को धोखाधड़ी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में कोलकाता के जिला हुगली के माह शारदा भवन फरमी डागरोड निवासी दीपक शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। उसके खाते में ठगी के 50 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस मामले के अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी को आरोपी।

श्रीराधा कृष्ण संगठन ने निकाली 157वीं प्रभात फेरी

नारनौल। नगर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 157वीं प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला बावड़ीपुर से श्रद्धा व उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर हरिप्रसाद मिस्त्री ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर यजमान की भूमिका निभाई तथा सभी उपस्थित भक्तों के मस्तक पर चंदन तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में राधे राधे का जाप किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर गुरुद्वारे के सामने से होते हुए मोहल्ला पीरआगा की परिक्रमा करते हुए पुनः निवास स्थान पर ही संपन्न हुई। इस अवसर पर संगठन की ओर से बताया गया कि 25 जनवरी को प्रभात फेरी जोरासी धाम में आयोजित होने वाले 151 कुंडली महायज्ञ हेतु तैयार यज्ञशाला की परिक्रमा के साथ आयोजित की जाएगी।

खबर संक्षेप

हनुमान मंदिर में अंखड रामायण पाठ 21 को

रेवाड़ी। सेक्टर-1 सोलहराही स्थित श्री पंचमुखी-दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में राम दरबार, अंजनि माता व राधा-कृष्ण की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के स्थापना दिवस पर धार्मिक आयोजन किए जा रहे है। मंदिर के वैदिक पंडित मोनू शास्त्री ने बताया कि मंदिर में अखंड रामायण पाठ व दूसरे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 21 जनवरी को प्रातः 9 बजे से अखंड रामायण पाठ शुरू होगा। 22 जनवरी को प्रातः 9 बजे हवन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

बुड़ोली में जागरण व भंडारा 20 को

रेवाड़ी। गांव बुड़ोली में ग्रामवासियों की ओर से शैय्यद बाबा के स्थान पर जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बताया कि 20 जनवरी को सुबह बाबा के जागरण का आयोजन होगा, जिसमें जागरण पार्टी रामकुमार उर्फ सुंडा राम बाबा की महिमा का गुणगान करेगी। इसके बाद श्रृद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

सांसद व स्वास्थ्य मंत्री गंभीरता दिखाएं और किए गए वादे पूरा करें

अस्पताल की मांग को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन, मंत्री आरती के नहीं मिलने पर रोष

रामगढ़-भगवानपुर में अस्पताल बनाने की मांग को लेकर 7 महीने से चल रहा है धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अस्पताल की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ कमेटी के तत्वावधान में रविवार को गांवों व शहर की सैकड़ों महिलाओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क से रामपुरा स्थित केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के रामपुरा स्थित निवास तक प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च निकाला, लेकिन पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हे निवास से पहले ही रोक लिया और बताया गया कि स्वास्थ्य मंत्री व सांसद निवास पर नहीं है, इससे महिलाओं में रोष पनप गया और उनको स्वास्थ्य मंत्री के पीए को ज्ञापन सौंपकर वापस लौटना पड़ा। आंदोलन में शामिल महिलाएं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को दो बार व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह सांसद को इस आशय का पत्र लिख चुकी है कि भगवानपुर की पंचायती जमीन पर एनएच-71 से महज 500 मीटर की दूरी पर है तथा वादे के अनुसार हॉस्पिटल या ट्रामा सेंटर बनाया जाए। इस मौके पर कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि रामगढ़ भगवानपुर अस्पताल बनाओ कमेटी वार्ता के दौर का दरवाजा खुलवाने के लिए आई है और यह एक सार्थक पहल जिले की महिलाओं ने की है। सांसद व स्वास्थ्य मंत्री गंभीरता दिखाए और किए गए वादे को पूरा करें। आंदोलन के संयोजक अनिल कुमार सरपंच प्रतिनिधि भगवानपुर ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

मांगों को लेकर आरती राव के नाम पीए को ज्ञापन सौंपा

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ कमेटी की ओर से स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा सरकार को पहले 4 नवंबर 2025 तथा फिर एक पत्र 2 जनवरी को भेजकर अनुरोध किया था कि हॉस्पिटल के मुद्दे पर महिला प्रतिनिधिमंडल की बात सुनीं जाए, जोकि 7 महीने से जायज मांग को लेकर संघर्षरत हैं,परंतु स्वास्थ्य मंत्री ने न तो वार्ता की और न ही कोई जवाब दिया, जिसके बाद महिलाएं रविवार को पैदल मार्च करते सांसद राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा के रामपुरा स्थित निवास पर पहुंची, लेकिन पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हे निवास से पहले ही रोक लिया और बताया गया कि स्वास्थ्य मंत्री व सांसद निवास पर नहीं है। इससे महिलाओं में और भी रोष पनप गया। महिलाओं ने कहा कि अस्पताल के मुद्दे पर जब प्रदेश के मुख्यमंत्री तीन बार कमेटी के प्रतिनिधि मंडल से मिल चुके है तो क्या स्वास्थ्य मंत्री और सांसद के पास मिलने का समय नहीं है। महिलाओं ने कहा कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से 8 फरवरी तक वार्ता करने का अनुरोध भी किया तथा आरती राव के नाम पीए को ज्ञापन भी सौंपा।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। कैंप में महिला को परामर्श देते हुए डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

निःशुल्क कैंप में सौ मरीजों की हुई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 100 मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, दंत रोग, चर्म रोग व ईएनटी सहित फिजियोथेरेपी की सेवाएं प्रदान की। कैंप में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, राम सिंह, गोकल राम, प्रो सतीश यादव, सुरेंद्र सिंह, अशोक व फार्मेसिस्ट पवन कुमार ने सहयोग दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

रेवाड़ी। जिला न्यायिक परिसर में 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा कराना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व आदि का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम वर्मा ने आमजन से 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोर्ट में अपने लंबित मामलों को आपसी सहमति से हल करा लेने में ही फायदा है, ताकि समय कम लगे और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए। कोई भी केस में कोर्ट में चलता है तो लोगों को उसके लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और धन व समय भी खर्च होता है। लोक अदालत में आदमी आकर विवाद को सुलझा ले तो यह वहीं समाप्त हो जाता है।

नागरिक बजट के लिए 31 तक दे सकते हैं सुझाव

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की प्रक्रिया में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार का मत है कि बजट जनहित, विकास प्राथमिकताओं और नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो। इसी उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक नागरिक को अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। डीसी ने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए सुझाव देने के कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। नागरिक 7303350030 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर 31 जनवरी तक अपनी राय दर्ज करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एआई-सहायक के माध्यम से दावोकसई.इन/हरियाणाणाबजट लिंक पर संवाद करने की सुविधा भी उपलब्ध है। विस्तृत सुझाव देने के लिए नागरिक बीएएमएसहरियाणा.एनआईसी.इन लिंक पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं।

क्षेत्र के गांव से विवाहिता लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव में एक विवाहिता बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। विवाहिता के पति ने पुलिस को बताया कि उनके दो बच्चे हैं। शनिवार को उनकी पत्नी बिना बताए घर से कही चली गई है। पति के अनुसार पत्नी पानीपत के रहने वाले एक युवक से फोन पर बात करती थी। पति ने उसी युवक पर उसे ले जाने का संदेह जताया है। पुलिस ने पति की शिकायत पर फिलहाल गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है।

उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शिक्षाविदों को स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी शिक्षा रत्न अवॉर्ड मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते एडवोकेट सोमाणी। फोटो : हरिभूमि

सोमाणी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी परिसर में आयोजित स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी शिक्षा रत्न अवॉर्ड समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में 401 शिक्षकों व शिक्षा जगत के लोगों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अशोक गर्ग पानीपत ने कहा कि शिक्षा और शिक्षक मनुष्य को नव जीवन प्रदान करते हैं, जिनके बिना जीवन निरर्थक हो जाता है। समारोह की शुरूआत हवन करके की गई। समारोह में हरियाणा के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षक, शिक्षाविद, प्राचार्य, मैनेजमेंट प्रतिनिधि और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सैंकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

संस्थान के सह संस्थापक सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट विशाल सोमाणी ने कहा कि शिक्षा किसी देश की संस्कृति और संस्कार को जन्म देती है। शिक्षक भविष्य के निर्माता होते हैं और उनके योगदान को सम्मान देना प्रत्येक समाज का नैतिक दायित्व है।

ये रहे मौजूद

एचएल वर्मा, एस के गुप्ता, डा. शैलेंद्र पांडे, डा. मधुसूदन शर्मा, अमित शर्मा, गौरव मित्तल, दीपक, दीपा, गीता, बाला देवी, यशपाल सिंह, योगेंद्र, रमेश दलाल, अतर लाल, राव बहादुर सिंह, ओमप्रकाश आर्य, लवली यादव, जेएस यादव, स्वामी सुखानंद, बासुदेव गर्ग, फकीरचंद व परिवर्तन सोमाणी मौजूद थे।

अहीर कॉलेज का सात दिवसीय एनएसएस कैंप शुरू

- स्वयंसेवकों को अच्छी बातें सीखने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अहीर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। कॉलेज की प्राचार्य डा. उर्मिला शर्मा व अहीर नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डा. एम नारायण स्वामी ने स्वयंसेवकों को कॉलेज से भगवत भक्ति-आश्रम के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राचार्य ने स्वयंसेवकों को अनुशासन में रहते हुए सात दिवसीय विशेष शिविर में होने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने व अच्छी बाते सीखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डा. मुक्ता अरोड़ा, डा. नवीन तंवर, डा.संगीता राव, प्रो. मनीष जैन, प्रो. रेनू यादव, प्रो.अत्तर सिंह, डा. रजनी देवी व डा. कविता यादव यादव सहित समस्त स्टॉफ सदस्य मौजूद थे। एनएसएस की दोनों इकाइयों के स्वयंसेवक कॉलेज से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत,जय जवान-जय किसान एवं जय विज्ञान के नारे लगाते हुए आश्रम पहुंचे। एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी डा. दीपक यादव व आशु रानी ने स्वयंसेवकों के साथ आश्रम स्थित महाराज परमानंद की समाधि पर श्रमदान भी किया।

पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मनाई मौनी अमावस्या

रेवाड़ी। शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने रविवार को मौनी अमावस्या पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। हिंदू पंचांग के अनुसार माघ मास की अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या होती है। सभी अमावस्याओं में मौनी अमावस्या का विशेष स्थान है। हिंदू धर्म में माघ मास को बेहद पवित्र और शुभ माना जाता है। माघ के महीने में स्नान, दान और पूजा-पाठ का विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि मौनी अमावस्या काफी पुण्यदायी मानी जाती है। श्रद्धालुओं ने सूर्योदय होते ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदें डालकर हर-हर गंगे का उच्चारण करते हुए स्नान किया और शहर के विभिन्न मंदिरों में जरुरतमंदों, गरीबों व साधु-संतों को दान भी दिया।

बच्चों ने किया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

रेवाड़ी। युवा दिवस से शुरू होकर 12 फरवरी तक चलने वाले 30 दिवसीय राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत रविवार को गांव बीकानेर के बाबा गुलाबनाथ आश्रम में योग शिक्षक जयदीप आर्य की ओर से संचालित योग कक्षा में पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी दयाराम आर्य ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास सत्र आयोजित किया तथा सूर्य नमस्कार के महत्व पर प्रकाश डाला। पतंजलि योग समिति जिला मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि हरियाणा योग आयोग के तत्वाधान में पतंजलि परिवार की ओर से जिले भर में सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर दिव्या, शिवानी, काजल, खुशबू, प्रीति, गुंजन, भावना, वंशिका, भूमिका, प्रिंशा, पल्लवी, निधि, सोहानी, लक्षिता, देवांशी, पीयूष, व वासुदेव मौजूद थे।

एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बनाने का मुख्य उद्देश्य किसानों की पहचान को सुरक्षित करना: डीसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी प्रत्येक किसान के लिए अनिवार्य है। इस आईडी के बनने के बाद ही किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि फार्मर आईडी को लेकर जिला के सभी गांवों में विभागीय टीमें जा रही हैं, जहां किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ फार्मर आईडी बनाने का कार्य लगातार जारी है। डीसी ने किसानों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बनवाएं और इस कार्य में टीमों का सहयोग करें। साथ ही अन्य किसानों को भी फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के माध्यम से ही दिया जाएगा। डीसी ने बताया कि फार्मर आईडी बनाने का मुख्य उद्देश्य किसानों की पहचान को सुरक्षित करना और उन्हें सरकारी सेवाओं का सीधा लाभ उपलब्ध कराना है।

दिवंगत पत्रकार मिन्ना को दी श्रद्धांजलि

कोसली। राष्ट्रभक्त व प्रख्यात पत्रकार स्व. अश्विनी कुमार मिन्ना की स्मृति में रविवार को कोसली की रामरतन धर्मशाला व नाहड़ गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि वे निर्भीक, निष्पक्ष और राष्ट्रहित को समर्पित पत्रकार थे। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से हमेशा सत्य का पक्ष लिया और आम जन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

आठवीं वर्षगांठ पर दिया स्वच्छता का संदेश

रेवाड़ी। लावण्या फाउंडेशन की ओर से रविवार को आठवीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता का संदेश देते हुए कलात्मकता और सामाजिक विकास को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वच्छता और कला के प्रति जागरूक करना था।

दीपक कुमार ने कहा कि स्वच्छता और कला दोनों ही समाज को सुंदर और जागरूक बनाने का कार्य करते हैं। कलाकारों को बिना झिझक अपनी कला को प्रस्तुत करने और खुलकर रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। आदित्य, झम्मन, रोहित, सागर, प्रशांत, रवींद्र, मुस्कान, प्रतीक, पूर्वी, अंजलि, शिखा, मोहित, अंजलि उपस्थित थे।

वीबी जी राम जी एक्ट गरीबों को याचक नहीं बल्कि आत्मनिर्भर बनाने की गारंटी: लतिका

- भाजपा जिला कार्यालय में एक्ट वीबी जी राम जी के विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में रविवार को मोदी सरकार के एक्ट वीबी जी राम जी के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने की। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में कालका की पूर्व विधायक एवं महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लतिका शर्मा उपस्थित रहीं। उनके साथ जिला प्रभारी नसीम अहमद और विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। मंच संचालन जिला महामंत्री पंडित हिमांशु पालीवाल ने किया। जिला प्रभारी नसीम अहमद ने विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एवं आत्मनिर्भरता गारंटी एक्ट की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह एक्ट केवल एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत की तकदीर बदलने का एक संकल्प पत्र है। नसीम अहमद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच स्पष्ट है, जब तक गांव का अंतिम व्यक्ति आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता। मुख्य वक्ता लतिका शर्मा ने मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के विजन में इस विधेयक की भूमिका को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर रामपाल यादव, सुनील मूसेपुर, कृष्ण कुमार चेयरमैन, कवर सिंह चेयरमैन सिंह राम महलावत, कुलदीप चौहान, जिला उपाध्यक्ष धीरज यादव, प्रवीण शर्मा, जितेंद्र, बलजीत यादव, जिला सचिव वीर सिंह छावड़ी, मौसमी रानी, प्रेम कौशिक आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

मौसम कल से मौसम में बदलाव की संभावना, बादलों के बीच बूंदाबांदी के भी आसार

बादल छाने के बाद गिरा दिन का पारा, रात का तापमान बढ़ा

- सप्ताह की शुरूआत साफ मौसम से हो सकती है, दूसरे दिन बादल छा सकते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

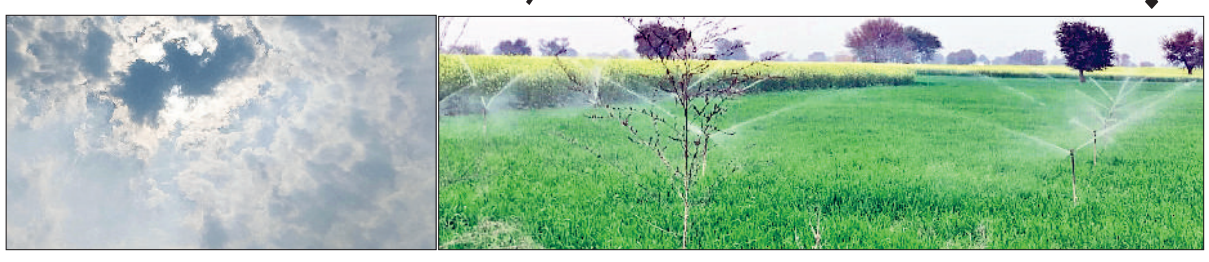

रेवाड़ी। रविवार का आसमान में छाए बरसात के बादल तथा गेहूं की फसल में फव्वारों से की जा रही सिंचाई। फोटो : हरिभूमि

आसमान में बादल छाने के बाद दिन के तापमान में कमी आने से ठंड का असर एक बार फिर से देखने को मिला है। रात का पारा चढ़ने से सुबह के समय कड़ाके की ठंड असर कम हो गया। दिन का तापमान अभी भी सामान्य से अधिक चल रहा है। 20 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता मौसम में बदलाव ला सकती है। इस दौरान बादल छाने और बूंदाबांदी होने की संभावना है। रविवार को सुबह से ही आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। सूरज और बादलों के बीच शाम तक लुका-छिपी चलती रही। अधिकतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस गिरकर 22.0 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के तापमान में लगभग 10 दिनों के बाद इतना उछाल आया है। 8 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने से शाम तक मौसम का मिजाज ठंडा बना रहा। हवा में नमी का स्तर 80 प्रतिशत तक रहा। बीते साल की तुलना में इस बार दिन का तापमान ज्यादा बना हुआ है। गत वर्ष 18 जनवरी को अधिकतम तापमान 18.4 और न्यूनतम 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। जनवरी माह में बीते शनिवार का दिन सबसे गर्म रहा था। तापमान 25.6 डिग्री पर पहुंच गया था। गर्म कपड़े तक शरीर को चुभने शुरू हो गए थे। मौसम विभाग के अनुसार सप्ताह की शुरूआत साफ मौसम से हो सकती है, परंतु दूसरे दिन आसमान में बादल छा सकते हैं। कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी भी हो सकती है। जनवरी के अंत तक मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दौरान कड़ाके की ठंड वापसी भी कर सकती है।

किसानों के लिए राहत भरा मौसम

एक दिन पूर्व तापमान बढ़ने से मौसम गर्म हो गया था, जिससे किसानों की चिंता बढ़ने लगी थी। सरसों और गेहूं की फसलों को गर्म मौसम में नुकसान की आशंका बनी रहती है। अब दिन का पारा गिरने से मौसम ठंडा हो गया है, जिससे फसलों को पूरा फायदा मिलेगा। किसान लगातार बारिश का इंतजार कर रहे हैं। इस बार सर्दी का सीजन शुरू होने के बाद दिसंबर और जनवरी माह में बारिश नहीं हुई है, जबकि बीते साल इन दो माह में चार-पांच बार बारिश हुई थी। फसल बचाने के लिए किसानों को फव्वारों से सिंचाई करनी पड़ रही है।